

## प्रलिमिंस फैक्ट्स : 21 जनवरी, 2021

- [बांदीपुर टाइगर रज़िर्व](#)
- [गुरु गोबिंद सहि जयंती](#)
- [युद्धाभ्यास डेज़रट नाइट-21](#)

### बांदीपुर टाइगर रज़िर्व Bandipur Tiger Reserve

#### चर्चा में क्यों?

हाल ही में कर्नाटक के बांदीपुर टाइगर रज़िर्व के नजदीक नुगु जलाशय में फँसे एक जंगली हाथी को बचाया गया है।

- [बाघ जनगणना 2018](#) के अनुसार, देश में मध्य प्रदेश के बाद कर्नाटक दूसरे स्थान पर है जहाँ बाघों की सर्वाधिक संख्या वदियमान है।

#### प्रमुख बद्दि:

- **स्थापना:** इसकी स्थापना [प्रोजेक्ट टाइगर](#) के तहत वर्ष 1973 में की गई थी। वर्ष 1985 में वेणुगोपाला वन्यजीव पार्क से सटे क्षेत्रों को शामिल कर इसके क्षेत्रफल में वृद्धि की गई तथा बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान नाम दिया गया।
- **अवस्थिति:** यह कर्नाटक के दो नकिटतम ज़िलों (मैसूर और चामराजनगर) में फैला हुआ है तथा कर्नाटक, तमलिनाडु और केरल राज्यों के त्रि-जंक्शन क्षेत्र में स्थिति है। यह [नीलगरि बायोस्फीयर रज़िर्व](#) का एक हसिसा है।
- **पारस्थितिक विविधता:** यह देश के सबसे समृद्ध जैव विविधता वाले क्षेत्रों में से एक है जो चारों ओर से नमिनलखिति जैव विविधता संपन्न क्षेत्रों से घरिा हुआ है:
  - दक्षणि में मुदुमलाई टाइगर रज़िर्व (तमलिनाडु)।
  - दक्षणि-पश्चिम में [वायनाड वन्यजीव अभयारण्य](#) (केरल)।
  - काबर्नी जलाशय उत्तर-पश्चिम में [बांदीपुर](#) और नागरहोल टाइगर रज़िर्व को अलग करता है।
- **जैव विविधता:** यह वभिन्न पुष्प प्रजातयिों और जीव विविधता से संपन्न क्षेत्र है और देश के मेगा जैव विविधता क्षेत्रों (Mega Biodiversity Areas) के रूप में पहचाना जाता है।
  - बांदीपुर के साथ-साथ नागरहोल, मुदुमलाई, सतयमंगलम और वायनाड में बाघों की वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी आबादी पाई जाती है।
  - यह वशि्व में एशियाई हाथयिों की आबादी का सबसे बड़ा आश्रय स्थल है तथा [मैसूर एलीफेंट रज़िर्व](#) (Mysore Elephant Reserve-MER) का हसिसा है।
- **नदयिों और उच्चतम बद्दि:** यह पार्क उत्तर में कबर्नी नदी और दक्षणि में मोयार नदी के मध्य स्थिति है। नुगु नदी पार्क के मध्य से बहती है। पार्क का उच्चतम बद्दि हमिवद गोपालस्वामी बेट्टा (Himavad Gopalaswamy Betta) नामक पहाड़ी पर स्थिति है।
- **कर्नाटक में अन्य टाइगर रज़िर्व :**
  - भद्रा टाइगर रज़िर्व (Bhadra Tiger Reserve)
  - नागरहोल टाइगर रज़िर्व (Nagarahole Tiger Reserve)
  - डंडेली-अंशी टाइगर रज़िर्व (Dandeli-Anshi Tiger Reserve)
  - बलिगिरी रंगनाथ स्वामी मंदिर टाइगर रज़िर्व (Biligiri Ranganatha Swamy Temple (BRT) Tiger Reserve)
- इसके अलावा [मलाई महादेशवरा वन्यजीव अभयारण्य](#) को बाघ आरक्षति क्षेत्र बनाने का प्रस्ताव दिया गया है।

#### एशियाई हाथी

- **उप-प्रजातयिों:** एशियाई हाथी की तीन उप-प्रजातयिों हैं- भारतीय, सुमात्रा और श्रीलंकाई।

- संरक्षण स्थिति:
  - [IUCN की रेड लिस्ट](#) में लुप्तप्राय सूची में शामिल।
  - [वन्यजीव \(संरक्षण\) अधिनियम, 1972](#) के तहत अनुसूची में शामिल।
- संरक्षण हेतु प्रयास :
  - [गज यात्रा](#)।
  - हाथियों की अवैध हत्या की निगरानी हेतु कार्यक्रम (Monitoring the Illegal Killing of Elephants- MIKE)।
  - [प्रोजेक्ट एलीफेंट](#)।

## गुरु गोबदि सहि जयंती

### Guru Gobind Singh

हाल ही में प्रधानमंत्री ने गुरु गोबदि सहि की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।



## प्रमुख बदि:

### गुरु गोबदि सहि:

- दस सखि गुरुओं में अंतिम गुरु गोबदि सहि का जन्म 22 दिसंबर, 1666 को पटना, बहिर में हुआ था।
  - गुरु गोबदि सहि की जयंती नानकशाही कैलेंडर पर आधारित है, जिसके अनुसार, वर्ष 2021 में उनकी जयंती 20 जनवरी के दिन मनाई गई, जबकि पिछले वर्ष यह 2 जनवरी को मनाई गई थी।
- गुरु गोबदि सहि अपने पिता 'गुरु तेग बहादुर' यानी नौवें सखि गुरु की मृत्यु के बाद 9 वर्ष की आयु में 10वें सखि गुरु बने।
- वर्ष 1708 में उनकी हत्या कर दी गई थी।

### योगदान:

- धार्मिक योगदान:
  - उन्हें सखि धर्म में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिये जाना जाता है, जिसमें बालों को ढकने के लिये पगड़ी की शुरुआत भी शामिल है।
  - उन्होंने खालसा या पाँच 'ककार' (Khalsa or the Five 'K's) के सिद्धांतों का प्रतिपादन किया।
    - ये पाँच 'ककार' हैं- केश, कंधा, कड़ा, कच्छा और कृपाण। ये आस्था की पाँच वस्तुएँ हैं जिन्हें एक खालसा को हमेशा धारण करना चाहिये।
  - उन्होंने खालसा योद्धाओं के पालन करने हेतु कई अन्य नियम भी निर्धारित किये, जैसे- तंबाकू, शराब, हलाल मांस से परहेज आदि। खालसा योद्धा निर्दोष लोगों को उत्पीड़न से बचाने के लिये भी कर्तव्यनिष्ठ थे।
  - उन्होंने अपने बाद गुरु ग्रंथ साहबि (खालसा और सखिों के धार्मिक पुस्तक) को दोनों समुदायों का अगला गुरु घोषित किया।
- सैन्य:
  - उन्होंने वर्ष 1705 में मुगलों के खिलाफ मुक्तसर की लड़ाई लड़ी थी।
  - वर्ष 1704 में आनंदपुर की लड़ाई में गुरु गोबदि सहि की माँ और उनके दो नाबालगि पुत्रों की हत्या कर दी गई थी। इस लड़ाई में उनके बड़े बेटे की भी मौत हो गई।
- साहित्यिक योगदान:
  - उनके साहित्यिक योगदान में 'जाप साहबि', 'बेंती चौपाई', 'अमृत सवाई', आदि शामिल हैं।
  - उन्होंने जफरनामा भी लिखा था जो मुगल बादशाह औरंगज़ेब को लिखा गया एक पत्र था।

## युद्धाभ्यास डेज़रट नाइट-21

### Exercise Desert Knight-21

भारतीय वायु सेना (Indian Air Force- IAF) तथा 'फ्रॉंसीसी वायु और अंतरिक्ष बल' द्वारा जोधपुर हवाई अड्डे पर 20-24 जनवरी, 2021 के बीच 'डेज़र्ट नाइट-21' (Desert Knight-21) नामक एक द्विपक्षीय युद्ध अभ्यास का आयोजन किया जा रहा है।



## प्रमुख बडि:

- इस युद्धाभ्यास में दोनों पक्षों द्वारा राफेल विमानों को शामिल किया गया और दोनों प्रमुख वायु सेनाओं के बीच समन्वय में वृद्धि होने के भी संकेत हैं।
- वर्तमान में युद्धाभ्यास 'डेज़र्ट नाइट -21' के लिये फ्रॉंसीसी सैन्य टुकड़ी को एशिया में उनकी 'स्काईरोज़ तैनाती' (Skyros Deployment) के हिससे के रूप में तैनात किया गया है।
  - भारत और फ्रॉंस के राफेल लड़ाकू जेट 'एक्सरसाइज़ स्काईरोज़' (Exercise SKYROS) नामक युद्धाभ्यास में हिससा ले रहे हैं।
  - सितंबर 2020 से अब तक भारतीय वायु सेना में आठ राफेल लड़ाकू जेट को शामिल करते हुए उनका परिचालन शुरू किया गया है। गौरतलब है कि भारत द्वारा वर्ष 2016 में 7.87-बलियन यूरो की लागत से फ्रॉंस के साथ 36 राफेल जेट विमानों के लिये अनुबंध किया गया था।
- **भारत और फ्रॉंस के बीच रक्षा अभ्यास:**
  - वरुण (Varuna) – नौसैनिक युद्धाभ्यास
  - गरुण (Garuda) – वायुसेना अभ्यास
  - **शक्ति** (Shakti) – संयुक्त सैन्य अभ्यास

## नोट:

- भारतीय वायु सेना द्वारा हृदि महासागर के संपूर्ण वसितारति क्षेत्र पर अपने हवाई प्रभुत्व का प्रदर्शन करने के लिये **गगन शक्ति अभ्यास** का आयोजन किया जाता है।
  - इसमें सभी भू-भागों जैसे- रेगसितान, अधकि ऊँचाई, समुद्री परदृश्य में संचालन और विशेष अभियान शामिल है जिसमें रयिल टाइम एरयिल कॉम्बैट, हवा से सतह पर मुकाबला, पैराट्रूपर अटैक और मेडिकल इवैकुएशन (Medical Evacuation) जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए संचालित किया जाता है।
- 'गरुड शक्ति' भारत एवं इंडोनेशिया के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास है।
- 'मतिर शक्ति' भारत और श्रीलंका के बीच आयोजित किया जाने वाला संयुक्त सैन्य अभ्यास है।